B.A. Final
Paper 1st

जोखिम का सिद्धान्त :-
(The risk theory)

लाभ का जोखिम सिद्धान्त एफ. बी. हॉले (F.B. Hawley) के नाम से संबंध है, जो जोखिम उठाने को उद्यमी का प्रमुख कार्य समझता है। लाभ वह अवशेष (residual) आय है जो उद्यमी को उस समय प्राप्त होती है जब वह जोखिम उठाता है। उद्यमी अपने व्यापार को जोखिम में डालता है और उसके बदले लाभ के रूप में पुरस्कार प्राप्त करता है क्योंकि जोखिम उठाना एक कष्टप्रद कार्य है। 'जोखिम के बीमांकिक (actuarial) मूल्य से अधिक भुगतान की अतिरिक्त मात्रा लाभ है।' यदि केवल सामान्य प्रतिफल की प्राप्ति हो, तो कोई भी उद्यमी जोखिम उठाने को तैयार नहीं होगा। इसलिए जोखिम उठाने का पुरस्कार जोखिम के वास्तविक मूल्य से अधिक होना चाहिए। हॉले शब्दों में, "किसी व्यापार से लाभ, या (स्वयं उपक्रमी (undertaker) अथवा दूसरों द्वारा जुटाए गए) भूमि, श्रम तथा पूँजी के प्रतिफल का भुगतान करने के बाद उत्पादन का अवशेष प्रबंधन या समन्वय (management or coordination) का पुरस्कार नहीं होता; बल्कि उन जोखिमों और जिम्मेदारियों का पुरस्कार होता है जोकि उद्यमी उठाता है। और क्योंकि सामान्य रूप से कोई भी अपने को जोखिमों और जिम्मेदारियों का पुरस्कार होता है जोकि उद्यमी उठाता है। और रूप में उतनी शुद्ध आय की प्राप्ति होती है जो व्यापार से प्राप्त कुल लाभों और हानियों के अंतर के बराबर हो। स्पष्ट रूप से पूर्व निर्धारित न होने के कारण यह शुद्ध आय निश्चय ही लाभ होगी।"

हॉले का कहना है कि बीमा कंपनी को एक निश्चित स्थिर राशि का भुगतान करके उद्यमी कई जोखिमों से बच सकता है। परंतु बीमे के द्वारा वह सब प्रकार की जोखिमों से छुटकारा नहीं पा सकता क्योंकि यदि वह ऐसा कर सके, तो वह उद्यमी नहीं रह जाएगा और केवल प्रबंधन की मजदूरी ही प्राप्त करेगा तथा उसे लाभों की प्राप्ति नहीं होगी। परंतु जब उद्यमी अपनी जोखिम

को बीमा कंपनी पर स्थानान्तरित कर देता है, तो वह जोखिम उठाने के अपने कार्य को बीमा कंपनी पर डाल देता है और वह लाभ प्राप्त करती है। बीमा कंपनी का पुरस्कार वह प्रीमियम नहीं, जो उसे मिलता है बल्कि उस प्रीमियम और कंपनी को होने वाली अन्ततः हानि का अन्तर उसका पुरस्कार होता है। इसलिए जोखिम उठाने का, विशेष रूप से "विचारपूर्वक चुनी गई" जोखिमों को, पुरस्कार ही लाभ होता है।

परंतु क्योंकि सब व्यक्ति जोखिम नहीं उठा सकते, इसलिए जोखिम उद्यमियों की पूर्ति में अवरोध का कार्य करते हैं। जो व्यवसाय में रहते हैं, वे जोखिम के बीमांकिक मूल्य से अधिक अतिरिक्त भुगतान प्राप्त कर सकते हैं। "एकाधिकार लाभ का प्रमुख स्रोत इस तथ्य में निहित है कि भिन्न-भिन्न उद्यमियों के लिए किसी दिए हुए व्यवसाय के बीमांकिक जोखिम, उन उद्यमियों की योग्यता और परिस्थितियों में अंतर के कारण, एक-से नहीं होते।"

<u>इसकी आलोचनाएं</u> (Its Criticism) – अन्य सिद्धान्तों की भाँति लाभ के जोखिम सिद्धान्त की भी निम्नलिखित कारणों से आलोचना की गई है:

1. <u>जोखिम का अर्थ अस्पष्ट</u> (Meaning of risk unclear) – हॉले ने जोखिम का अर्थ स्पष्ट नहीं किया। नाइट के अनुसार, जोखिम दो प्रकार के होते हैं: एक बीमा-योग्य और दूसरे ऐसे जिनका बीमा नहीं हो सकता। विशिष्ट जोखिम बीमा-योग्य होते हैं। इस प्रकार के जोखिम लाभों को उत्पन्न नहीं कर सकते क्योंकि प्रीमियम का भुगतान करके उद्यमी इस प्रकार के जोखिम को दूर कर लेता है। नाइट इस बात पर हॉले से सहमत नहीं कि जोखिमों का बीमा कराकर उद्यमी अपना कार्य बीमा कंपनी पर डाल देता है और उसकी बजाय बीमा कंपनी लाभ प्राप्त करती है। बीमा करने वाले को लाभ नहीं होता बल्कि उद्यमी को होता है। जिन जोखिमों का बीमा नहीं हो सकता, केवल वही जोखिम अनिश्चित होते हैं जोकि लाभों को उत्पन्न करते हैं। इस प्रकार प्रोफेसर नाइट के अनुसार लाभ अनिश्चितता उठाने का ही पुरस्कार होते हैं।

Scanned by CamScanner

2. लाभ उद्यमीय योग्यता का पुरस्कार (Profits the reward of entrepreneurial ability) - जोखिम उठाना ही उद्यमी का एकमात्र वह कार्य नहीं जिसके परिणामस्वरूप लाभ प्रकट होते हैं; उद्यमियों की संगठन और समन्वय करने की योग्यता के कारण भी लाभ प्रकट होते हैं। इस कार्य से उद्योग की लागतें कम हो जाती हैं। आंशिक रूप से यह भी नवप्रवर्तन का पुरस्कार होता है।

3. लाभ जोखिम से बचने का पुरस्कार (Profits the reward of avoiding risks) - कार्वर (carver) के अनुसार वे उद्यमी लाभ प्राप्त कर सकते हैं जोकि जोखिमों से बच जाते हैं। अतः लाभ जोखिम उठाने के कारण नहीं बल्कि इसलिए प्राप्त होते हैं कि योग्य उद्यमी जोखिमों से बच जाते हैं। जो उद्यमी अधिक लाभ ~~उठाने के लिए अपने को बहुत बड़े जोखिमों में डाल देता।~~ जोखिमों से बच जाता है; उसे उतने ही अधिक लाभों की प्राप्ति होती है।

4. लाभ की राशि जोखिम के आकार से संबद्ध ~~नहीं होती~~ ~~राशि~~ (Amount of profit not related to risk) - लाभ की राशि उठाई गई जोखिम के आकार से किसी भी प्रकार संबद्ध नहीं होती। यदि ऐसा होता तो प्रत्येक उद्यमी अधिक लाभ उठाने के लिए अपने को बहुत बड़े जोखिमों में डाल देता।

5. विशाल व्यापार साम्राज्य स्थापित करने के लिए (To found large business empire) - कुछ उद्यमियों के लिए जोखिम उठाना इस इच्छा के अधीन है कि एक विशाल व्यापार साम्राज्य की स्थापना और सृजन करने तथा कार्य कराने की प्रसन्नता प्राप्त की जाए।

6. अधूरा सिद्धान्त (Incomplete theory) - यह सिद्ध करने के लिए कोई अनुभवजन्य प्रमाण नहीं मिलता कि जोखिमपूर्ण उद्यमों में उद्यमी को अधिक लाभ प्राप्त होता है। एक तरह तो सभी उद्यमों में जोखिम होता है, क्योंकि उनमें अनिश्चितता का तत्त्व मौजूद रहता है और प्रत्येक उद्यमी का लक्ष्य अधिक लाभ कमाना होता है। इस प्रकार, हॉले का जोखिम सिद्धान्त भी लाभ का एक अधूरा सिद्धान्त है।

Scanned by CamScanner